केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च 2010
अंक – योजना हिंदी (केन्द्रिक)
कूटबंध 2/1
2/2
2/3

कक्षा – XII

सामान्य निर्देश :

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भांति आद्योपांत विचार–विनिमय नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके अंक–योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिखाकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक देकर उन्हें गोलाकृत कर दिया जाए।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का अतिरिक्त उत्तर भी लिख दिया है तो उस उत्तर पर अंक दिए जाएं जिसे पहले लिखा गया हो।

7. संक्षिप्त, किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की उपेक्षा है।

8. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ, बोध–क्षमता और ग्रहणशीलता का परीक्षण किया जाता है, अतएव इनके उत्तरों में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

10. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थियों ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएँ ।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2010
अंक योजना हिंदी (केन्द्रिक)
कक्षा – XII

कूटबंध 2/1, 2/2, 2/3 (बाहर)

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
1.	1	2	1	क) पूर्वज महापुरुषों के पदचिन्हों को, उनके कार्यों को ढूंढ़ना चाहिए। अतीत गौरव को भुलाना नहीं चाहिए।	1 5 अंक
				ख) भारत देश की विविधता में एकता दिखाने और सांप्रदायिक सौहार्द्र के लिए।	1
				ग) प्राचीन हों कि नवीन ..... वह विचार अलीक है।	1
				घ) उनके प्रति बंधुत्व का भाव तथा दुख–सुख में भागीदार।	1
				ड.) देशभक्ति का दिखावा न कर मन से देशभक्ति करें।	1
2.	2	1	2	क) एक महापुरुष, भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न।	15 अंक (1+1) 2
				ख) पश्चिम के संस्कार भारत के अनुकूल नहीं, कुसंस्कारों जातीय भेदभाव का त्याग तथा अशिक्षित गरीब भारतीयों की सेवा तथा उत्थान।	(1+1) 2
				ग) दरिद्रजन ही भगवान हैं। अतः उनकी सेवा भगवान की सेवा है।	(1+1) 2
				घ) अपराध दरिद्र नहीं करते, धनी करते हैं। गरीबी अपराध नहीं हैं।	(1+1) 2
				ड.) संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बनाना, उनमें मानवीय गुणों का समावेश।	(1+1) 2
				च) जो शिक्षा मनुष्य में आदर्श मानवीय गुणों का विकास करे।	1
				छ) राष्ट्रीय जागरण में विवेकानंद की भूमिका।(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)।	1
				ज) अभि, ईय/ता	(½+½) 1
				झ) मिश्र वाक्य	(½+½) 1
				ञ) पश्चिमी, चिंतनीय/चिंतक	(½+½) 1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
3.				निबंध का अंक विभाजन	5
				• भूमिका उपसंहार • विषय प्रतिपादन • भाषा और प्रस्तुति की शैली	(½+½) 1 3 (½+½) 1
4.	3	3	4	पत्र का अंक विभाजन	5
				• प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं • प्रश्नानुकूल लेखन • भाषा और प्रस्तुति	(½+½) 1 3 (½+½) 1
5.	5 (क)	5 (ख)	5 (ग)	i) किसी महत्वपूर्ण सामयिक विषय पर संपादक द्वारा लिखा गया लेख।	5 अंक 1
				ii) समाचार – कोई घटनाक्रम जिसमें पाठकों / श्रोताओं की रुचि हो, तात्कालिकता हो। फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन।	1
				iii) किसी खास विषय पर लेखन जैसे – रक्षा, विज्ञान, कृषि, शिक्षा, खेल और व्यापार आदि।	1
				iv) हलका या क्षेत्र जो किसी पत्रकार के लिए निर्धारित हो।	1
				v) आज तक, ज़ी न्यूज, स्टार–न्यूज, दूरदर्शन आदि (किन्हीं दो का उल्लेख)	1
	5 (ख)	5 (क)	5 (ख)	रिपोर्ट / फ़ीचर का आलेख – मुक्त उत्तर अंक योजना – * विषय वस्तु 2 * प्रस्तुति शैली 2 * प्रभावी भाषा 1	5 अंक
6.	6	6	6	रिपोर्ट / फ़ीचर का आलेख – मुक्त उत्तर अंक योजना –* विषय वस्तु 2 * प्रस्तुति शैली 2 * प्रभावी भाषा 1	5 अंक

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1	2 / 2	2 / 3		
7.	7	8	7	क) प्रेयसी / पत्नी / मां में से किसी एक के लिए मानते हुए दो तर्क।	2X4=8 अंक
				ख) जीवन में सबकुछ (आनंद और सुख भी) भूल जाने की स्थिति।	
				ग) वह उसके रंग में इतना रंग चुका है कि अब उससे मुक्ति चाहता है।	
				घ) दुहराव – 'भूलूं मैं, भूलूं मैं – भूल जाने की तीव्र इच्छा। 'सहा नहीं जाता है, नहीं सहा जाता है' – असहनीयता पर बल।	
				अथवा	
				क) जब संदर्भ के अनुकूल भाषा का प्रयोग न किया जाए और हठ न छोड़ी जाए।	
				ख) दिखावा या आडंबर – उसमें न कसाव होता है और न शक्ति।	
				ग) प्रसंगानुसार, सुविधानुसार उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए भाषा का सहज प्रयोग करना नहीं सीखा।	
				घ) शरारती बच्चों के साथ खेलने का अपना एक अलग आनंद होता है। ठीक उसी प्रकार सहज शब्दों के साथ रचना करना भी आनंददायक होता है।	
8.	8 (क)	7 (क)	8 (क)	सोरठा छंद का प्रयोग है। भाषा अवधी है। (1+1)	3X2=6 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	ख) प्रभु–प्रलाप, बानर निकर, सुनि कान (कोई दो) (1+1)	
	(ग)	(ग)	(ग)	ग) लक्ष्मण मूर्छा से वानर समूह निराश और शोकग्रस्त था (करुण रस) किंतु हनुमान द्वारा संजीवनी लाने से उत्साह का संचार हुआ (विजय की संभावना बढ़ गई – वीर रस)।	
				अथवा	
	(क)	(क)	(क)	'रुबाई' छंद है। 1,2,4 पंक्तियों में तुक, तीसरी पंक्ति अतुकांत।	
	(ख)	(ख)	(ख)	i) भाषा सरल खड़ी बोली बोलचाल की भाषा है। ii) नामधातु–जिदयाया, ललचाया आदि देशज शब्दों का प्रयोग	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1	2 / 2	2 / 3		
	(ग)	(ग)	(ग)	i) मां की चतुराई प्रशंसनीय है। ii) कवि की सुंदर कल्पना जिसमें बालक दर्पण में ही चांद का सुख पा लेता है। (1+1)	
9.	9 (क)			• अंधेरे के कारण आकाश को कालीसिल और लाली को केसर मानना। • आकाश को काली स्लेट मानना। • उगते सूर्यबिंब को नील जल में स्नान करती युवती समझना। ये सभी दृष्टिभ्रम जादू हैं, जो सूर्योदय के बाद टूटते हैं। (1+1+1)	3+3=6
	(ख)			• दिन ढलने का समय होने के कारण मंज़िल तक पहुंचने की व्यग्रता। • पथ में ही रात हो जाने की आशंका / भय। • प्रतीक्षारत बच्चों का स्मरण।	
	(ग)			• कागज़ और खेत दोनों ही रचना / सृजन के आधार। • खेत में जैसे फसल उगती है उसी प्रकार कागज पर नई रचना। • कागज़ पर लिखे क्षण भर के अनुभव जीवन भर के लिए स्थाई हो जाते हैं – जैसे क्षण भर की रोपाई अनंतता की कटाई हा।	
		9 (क)		कवि कहते हैं जहां समझदार व्यक्ति रहते हैं वहां पर नासमझ व्यक्ति भी रहते हैं। सभी के समान होने से किसी को नासमझ या समझदार नहीं कहा जा सकता।	
		(ख)		• कवि अपने अनुभवजन्य ज्ञान को भुला देना चाहता है। • बाल सुलभ इच्छाओं, उमंगों का चित्रण। • आसमान में उड़ती पतंग ऊंचाइयों की उन हदों तक जाती है जहां बालमन जाना चाहता है।	
		(ग)		i) कैमरे में बंद अपाहिज कार्यक्रम करुणा दिखाने के लिए बनाया जा रहा है किंतु उसमें करुणा का बनावटी मुखौटा है। ii) चैनल का उद्देश्य अपने लिए बिकाऊ कार्यक्रम बनाना है। iii) पत्रकार संवेदनाशून्य होते हैं। अपाहिज से जो प्रश्न किए जाते हैं उसमें करुणा नहीं क्रूरता है।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1	2 / 2	2 / 3		
9.			9 (क)	तुलसीदास जी ने उस समय प्रचलित नारी के प्रति समाज का हेय दृष्टिकोण दिखाया है। जो वर्तमान में प्रासंगिक नहीं है क्योंकि आज नारी को पुरुष के समकक्ष माना जाता है।	
			(ख)	बादल के बहाने कवि ने क्रांति का आह्वान किया है। कवि का मानना है कि क्रांति के बिना परिवर्तन संभव नहीं है। समतामूलक समाज के निर्माण के लिए विप्लव या क्रांति आवश्यक है।	
			(ग)	i) राख से लीपा हुआ चौका	
				ii) काली स्लेट पर खड़िया से ही लिखना	
				iii) काली सिल	
				iv) खुले तालाब में युवतियों का नहाना आदि दृश्य गांव में ही देखने को मिलते है (कोई दो)।	
10.	10 (क)			i) शिरीष की चर्चा हुई है।	2x4=8 अंक
				ii) शिरीष के विषय में यह धारणा कि शिरीष वृक्ष का सब कुछ कोमल है।	
	(ख)			i) फल मजबूत होते हैं और नए फलों के आने तक वृक्ष में ही लटके रहते है।	
	(ग)			आज नेता भी बिना धकियाए अपना पद नहीं छोड़ते' लेखक ने इसी संदर्भ में नेताओं का जिक्र किया है।	
	(घ)			वसंत के आगमन पर जब सारी वनस्पति पुष्प–पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते है।	
	अथवा				
	(क)			कहानी में नमक की पुड़िया के साथ मुहब्बत जुड़ी है। किंतु नमक को पाकिस्तान से भारत लाना कानूनी अपराध था।	
	(ख)			उन्होंने कस्टम अधिकारी को साफ बताया होगा कि पाकिस्तान से भारत गई एक वृद्ध महिला की चाहत को पूरा करने के लिए वे नमक भारत ले जाना चाहती हैं।	
	(ग)			प्यार कानून से ऊपर होता है। इसलिए कस्टम के नियम उसके आड़े नहीं आएंगे।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
	(घ)			मुक्त उत्तर संभव। सहमत होने/न होने के समर्थन में कोई दो तर्क।	
		(क)		वह तोहफ़ा नमक की पुड़िया थी। नमक को साफ़िया भारत लाना चाहती थी। जो कानूनन अपराध था।	
		(ख)		अदीब साहित्यकार को कहते हैं जो भावनाओं को अधिक महत्व देते हैं व्यावहारिकताओं को कम।	
		(ग)		साहित्यकारों की सोच यदि मूर्त–रूप ले ले तो समाज निश्चय ही बेहतर हो जाएगा।	
		(घ)		मुक्त उत्तर। समर्थन या विरोध में एक तर्क अपेक्षित।	
			(क)	लोकोक्ति का प्रयोग उन वृक्षों के लिए किया गया है जो केवल कुछ दिन ही खिलते हैं। शिरीष के फूल विषम स्थितियों में भी लदे रहते हैं और वह बहुत दिनों तक फूलता रहता है।	
			(ख)	जिस समय धरती लू और गरमी से तप रही होती है। शिरीष उस समय भी हरा–भरा होता है और उसमें फूल खिल रहे होते हैं।	
			(ग)	लेखक का कहना है कि वह कवियों की तरह 'बहुत' कोमल – दिल नहीं है लेकिन कविता की थोड़ी समझ उसमें भी है।	
			(घ)	शिरीष ग्रीष्म ऋतु में फूलता है और जब सारी वनस्पति लू और अंधड़ से सूख रही होती है उस समय भी शिरीष यौवन पर होता है।	
				अथवा	
			10 (क)	मुक्त उत्तर	
			(ख)	देश की वर्तमान स्थिति वास्तव में स्वार्थपूर्ण है। देना कोई नहीं चाहता लेना सब चाहते हैं।	
			(ग)	त्याग की कमी के कारण प्रतिदिन नहीं मिल रहा है। किसी वस्तु को पाने के लिए त्याग की आवश्यकता होती है।	
			(घ)	मुक्त उत्तर। मौलिकता पर अंक दें।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
11.	11 (क)	11 (क)	11 (क)	जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया कि कुछ देकर ही कुछ पाया जा सकता है। पानी देकर ही हम इंद्र से पानी की अपेक्षा रखते है।	3X4=6 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	ग्राहक को लुभा–लुभा कर ऐसी वस्तु खरीदवा देना जो उसके किसी काम की नहीं। जादू चढ़ने पर मनुष्य बौरा जाता है और उतरने पर निराशा मिलती है।	3
	(ग)	(ग)	(ग)	दंगल में विजयी होने के बाद श्याम नगर राजा के दरबार में लुट्टन सिंह को जगह मिल गई। क्षेत्र का हर पहलवान लुट्टन से हार चुका था। अब राजदरबार में लुट्टन दर्शनीय जीव बन गया था।	3
	(घ)	(घ)	(घ)	i) परित्यक्ता का पुत्र, ii) भयावह गरीबी, iii) मां का पागलपन, iv) समाज द्वारा दुत्कारा जाना। खानाबदोशों से जुड़ाव, इन सब ने चार्ली के व्यक्तित्व को संपन्नता दी।	3
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	i) स्वाभाविक विभाजन नहीं, ii) मनुष्य की रुचि के अनुसार नहीं, iii) श्रम का सही विभाजन नहीं, iv) क्षमता का विकास नहीं किया जाना, v) माता–पिता की सामाजिक स्थिति से निर्धारण और जन्म से पूर्व ही निर्धारण । (कोई तीन)	3
12.	12 (क)			i) जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए संघर्ष। ii) शिक्षा के लिए संघर्ष। iii) माता–पिता में शिक्षा की कमी।	3+3=6 अंक
	ख)			• अपने निवास के पास पहुंचकर वाई–डी पंत ने कई परिवर्तन देखे। • वे 'एनीवर्सरी' के समर्थक नहीं थे, उसी का आयोजन हो रहा था। • अतिथियों की भीड़–भाड़।	
	(ग)			• इस डायरी में भय, आतंक, भूख, प्यास, घृणा, बढ़ती उम्र की तकलीफें, हवाई हमले के डर, युद्ध की पीड़ा – जो यहूदियों पर ढाए गए थे। • महायुद्ध काल की सामाजिक स्थितियों का महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज। • अपने जीवन से संबंधित घटनाओं का स्पष्ट चित्रण	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1	2 / 2	2 / 3		
12.		12 (क)		• महिलाओं में शिक्षा का अभाव। • प्रचलित धारणों के कारण बहुत से कष्टों को सहन कर रही है। • ऐन फ्रैंक स्त्रियों की स्वतंत्रता की पक्षधर थी।	3
		(ख)		• किशन दा का अतीत के आदर्श के प्रति प्रेम। • वर्तमान में अप्रासंगिक। • यशोधर के लिए अतीत और वर्तमान में तालमेल बिठाना कठिन	3
		(ग)		• किशोर के जीवन का यथार्थ चित्रण। • जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए संघर्ष। • ग्रामीण जीवन का मर्मस्पर्शी वर्णन। • कठिनाइयों और बाधाएं झेलते हुए भी शिक्षा के प्रति लगन।	3
13.	13 (क)	14 (क)	12 (क)	ऐन फ्रैंक अज्ञातवास में थी। वैसी अवस्था में उन्हें किसी से बात करने की तीव्र इच्छा हो रही होगी – जो संभव नहीं था। अतः किट्टी (गुड़िया) को संबोधित की होगी।	2+2=4
	(ख)	(ख)	(ख)	• यशोधर बाबू अंत तक अपने ही बच्चों के विचार के साथ समायोजित नहीं कर सके। • पिता के रूप में संतान की प्रगति अच्छी लगती है। • प्रारंभ में ही अधिक वेतन, सुख–सुविधाओं की चाहत आदि 'समहाऊ इंप्रॉपर' लगते हैं।	
	(ग)	(ग)	(ग)	सिंधु सभ्यता में राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन नहीं है। इसमें आडंबर नहीं, शांतिप्रियता है। अतः आज के मुहावरे में इसे 'लो प्रोफाइल' सभ्यता कहा जाता है।	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
14.	प्र.14	प्र.13		अंक विभाजन – उत्तर के चार बिंदु – 4 – भाषा और प्रस्तुति – 1	5 अंक
				i) ये खंडहर उस संस्कृति की रहन–सहन व्यवस्था के साथ ही उन पूर्वजों के जीवन के ऐसे क्षेत्रों से भी परिचय कराते हैं जिससे अभी तक हम अपरिचित थे।	
				ii) मन में यह भाव रहता है कि कल तक लोग यहां रहते थे। हम इसी सभ्यता के परंपरा में हैं।	5
				iii) कभी यह हमारे ही घर थे, किंतु विडंबना है कि आज हम दर्शक मात्र रह गए हैं।	
				iv) इन खंडहरों में खड़े होकर हम कल्पना करते हैं कि हजारों साल पहले यहाँ जीवन की चहल–पहल थी।	
				v) ऐसा लगता है, मानो यहां के निवासी अभी कुछ समय पहले ही घर छोड़कर गए हैं और ये खंडहर उस प्राचीन सभ्यता के ठोस प्रमाण है।	
	अथवा	**अथवा**	**अथवा**	**अथवा**	
				i) जिम्मेदार पिता।	
				ii) परंपरागत मूल्यों में विश्वास।	
				iii) सामान्यतः जीवन मूल्यों में परिवर्तन को स्वीकार करने में संकोच।	
				iv) कर्मनिष्ठ।	
				ii) धार्मिक।	
				ii) समय के पाबंद।	